Prices of Kharif Crops for the Next Season

*54. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the Commission for Agricultural Costs and Prices has made any recommendations on Kharif prices and policy for the next crop season; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR); (a) and (b) The Commission for Agricultural Costs and Prices (CACP) has already submitted its Report on Price Policy for Kharif Crops for the year 1992-93 and the same is at present under consideration of the Government .

उत्तर प्रदेश में खनिजों की खोज

***55. श्री रामनरेश यादव:** क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में किन-किन स्थानों में खनिजों की खोज के लिए सर्वेक्षण किये जाने की संभावना है ;

(ख) इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार ने उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के लिए ऐसी कोई योजना बनाई है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) और (ख) उत्तर प्रदेश में निम्नलिखित स्थानों पर खनिज वार अन्वेषण हेतु सर्वेक्षण किये जाने की संभावना है :—

क्रमांक	खनिज		खनिज गवेषण हेतु सर्वेक्षण किए जाने वाले स्थान
1	आधार धातुएं (बेस मेटल्स) (सीसा-तांबा-जस्ता)	:	देहरादून जिले में अमतियारगढ और अनियार ब्लाक, टोन्स घाटी क्षेत्र, पिथौरागढ और नैनीताल जिलों में गालपाकोट, चाल्थी, किमखेत, खनस्यूम, अमृतपुर तथा पिथौरागढ और अल्मोड़ा जिलों में कमलीचीना-शीलाखानी क्षेत्र ।
	स्वर्ण	:	नैनीताल, गोरखपुर तथा पिथौरागढ़ जिलों में सारदा और गंडक नदियों के बीच शिवालिक पट्टी और समीप के जालोढ़ क्षेत्र मिर्जापुर जिले में गुरहर तथा सोनभद्र जिले में गुलालडीह क्षेत्र ।
3	प्लेटिनम ग्रुप के खनिज	:	सोन घाटी, जिला सोनभद्र ।
4	दुर्लभ तत्व	:	सोनभद्र जिले में कटौली तथा विधमगंज क्षेत्र ।
5	सिलिका सैंड	:	उत्तरकाशी जिले में यमुना और टोन्स घाटी के बीच ।

(ग) और (घ) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जी. एस. आई.) ने उत्तर प्रदेश तथा अन्य जिलों में 8वीं योजना के दौरान निम्नलिखित योजनाएं बनाई हैं :—

क—गैर—कोयला खनिज/धातुयें

1. **बेस मेटल कार्यक्रम**—राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, बिहार, उड़ीसा, प. बंगाल, मध्य प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, महाराष्ट्र, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम में 46 खोज कार्यक्रम*।

2. **स्वर्ण कार्यक्रम**—आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश में 40 खोज कार्यक्रम* ।

3. **टिन-टंगस्टन कार्यक्रम**—हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, प. बंगाल में 15 खोज कार्यक्रम* ।

4. **प्लेटिनम ग्रुप धातु कार्यक्रम**—आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर में 9 खोज कार्यक्रम* ।

5. **मोलिब्डेनम कार्यक्रम**—तमिलनाडु, केरल, मेघालय में 3 खोज कार्यक्रम* ।

6. **बहुधातु कार्यक्रम**—हरियाणा, तमिलनाडु, बिहार, प० बंगाल, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तर प्रदेश में 13 खोज कार्यक्रम* ।

7. हीरा कार्यक्रम—आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश में 8 खोज कार्यक्रम* ।

ख—धातु अन्य अध्ययन कार्यक्रम—12 खोज कार्यक्रम (ग्रीनस्टोन क्षेत्र) अल्ट्रामैफिक कम्पलेक्स, अल्कालाइन कम्पलेक्स आदि ।

8. बिहार, प० बंगाल व राजस्थान में उर्वरक खनिज ।

9. उड़ीसा, महाराष्ट्र, मणिपुर, गोवा में लौह खनिज (क्रोमाइट, मैग्नीज आदि) ।

10. मध्य प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान में चूना-पत्थर तथा डोलोमाइट तथा दूसरे खनिज ।

ग—कोयला और लिग्नाइट

1. प० बंगाल और बिहार में दामोदर घाटी कोल बेसिन (4 प्रोजेक्ट) ।
2. प० बंगाल और बिहार में राजमहल-बीरभूमि मास्टर कोल बेसिन (2 प्रोजेक्ट) ।
3. उड़ीसा और मध्य प्रदेश में महानदी घाटी कोल बेसिन (4 प्रोजेक्ट) ।
4. मध्य प्रदेश में सोन घाटी बेसिन (2 प्रोजेक्ट) ।
5. वर्धा घाटी कोल बेसिन, महाराष्ट्र ।
6. गोदावरी घाटी कोल बेसिन, आन्ध्र प्रदेश ।
7. ईस्ट कोस्ट लिग्नाइट फील्ड, तमिलनाडु ।
8. वेस्ट कोस्ट लिग्नाइट फील्ड, राजस्थान, गुजरात ।
9. चुने हुए कोयला और लिग्नाइट कोल फील्डों तथा उनके परवर्ती क्षेत्रों में बेसिन अध्ययन।

(5 मदें)

---

*खोज कार्यक्रमों की संख्या में परिवर्तन हो सकता है।